

विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम, लखीसराय

(एन.सी.ई.आर.टी पर आधारित)

कक्षा- पंचम्

तिथि-26/06/2021

विषय-संस्कृत

सुमिता कुमारी

सुप्रभात बच्चों,

आज आप सब अकारांत नपुंसकलिंग शब्द के बारे में अध्ययन करेंगे।

संस्कृत

चतुर्थः पाठः

अकारांत नपुंसकलिंग

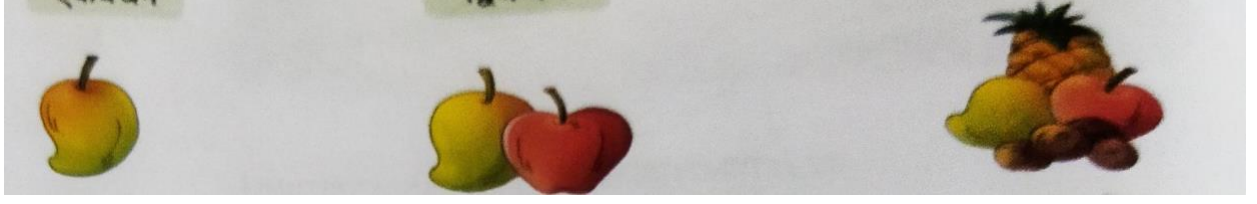
*नपुंसकलिंग शब्द- जिन शब्दों के द्वारा न तो स्त्री_जाति का बोध हो और न ही पुरुष जाति का बोध हो, उन्हें नपुंसकलिंग शब्द कहते हैं। जैसे-आम्रम्, फलम्, पुस्तकम्, कन्दुकम्, नामन् आदि।

नपुंसकलिंग

एकवचन

द्विवचन

बहुवचन



फलम्(एक फल)

फले(दो फल)

फलानि (अनेक फल)

*अकारांत- जिनका अंतिम वर्ण 'अ' हो।

*नपुंसकलिंग- जो न स्त्रीलिंग हो और न पुल्लिंग।

*शब्द-जिनका अर्थ हो।

नपुंसकलिंग शब्दों को भी पुल्लिंग एवं स्त्रीलिंग शब्दों की तरह तीनों वचनों में प्रयोग किया जाता है।

अकारांत नपुंसकलिंग के रूप निम्न प्रकार चलते हैं-

एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
शब्द+म् कमलम्	शब्द+ ए कमले	शब्द+ आनि कमलानि

अभ्यास

1. शुद्ध विकल्पं चित्वा रिक्तस्थानानि पूरयत-(शुद्ध विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों को पूरा कीजिए)

(i) संस्कृत भाषा में लिंगों में वचन होते हैं।
(क) दो, तीन-तीन (ख) तीन, तीन-तीन (ग) तीनों, तीन-तीन

(ii) जो शब्द न तो स्त्रीलिंग हैं और न ही पुल्लिंग, वे कहलाते हैं।
(क) नपुंसकलिंग (ख) स्त्रीलिंग (ग) पुल्लिंग

(iii) 'पुष्पे' शब्द 'पुष्प' शब्द का रूप है।
(क) एकवचन (ख) द्विवचन (ग) बहुवचन

(iv) 'पत्रम्' शब्द के बहुवचन के लिए शुद्ध रूप है।
(क) पत्राणि (ख) पत्रानि (ग) पत्रे

2. चित्राणि दृष्ट्वा तेषां नामानि लिखत -

(चित्रों को देखकर उनके नाम लिखिए)

